भारत सरकार
इलैक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, तेलंगाना राज्य
हैदराबाद दिनांक 28-जू न -2024
हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने एवं सरकार की राजभाषा नीति के प्रति अनुकूल वातावरण बनाने के लिए केंद्र सरकार के कार्यालयों में वर्ष की प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशाला का आयोजन अपेक्षित है।

इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र तेलंगाना राज्य में वित्त वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही (01-अप्रैल-2024 से 30-जून-2024) के दौरान दिनाक 28-जून-2024 को कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया विषय था कंठस्थ टूल 2.0। हिन्दी कार्यशाला में राज्य कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। जिला एवं समस्त अधीनस्थ कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वीडियो कान्फ्रन्सिंग के माध्यम से भाग लिया।

हिन्दी कार्यशाला में अधिकारी एवं कर्मचारी गण

कार्यशाला में हिंदी व्याख्यान के लिए केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण संस्थान हैदराबाद, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से सहायक निदेशक के पद से सेवानिवृत श्री जयशंकर प्रसाद तिवारी, को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने पावरप्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से हिन्दी के अनुवाद के लिए विकसित कंठस्थ टूल के बारे में बताया। कंठस्थ टूल ट्रांसलेशन मेमोरी तथा न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित मशीन साधित अनुवाद प्रणाली

ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुतः एक डेटाबेस है जिसमें स्रोत भाषा (Source language) के वाक्यों एवं लक्षित भाषा (Target language) में उन वाक्यों के अनुवादित रूप को एक-साथ रखा जाता है। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनः-प्रयोग कर सकता है।

यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम.(ट्रांसलेशन मेमोरी) के डेटाबेस से पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी.एम. से लाता है।

श्री जयशंकर प्रसाद तिवारी, व्याख्यान देते हुए

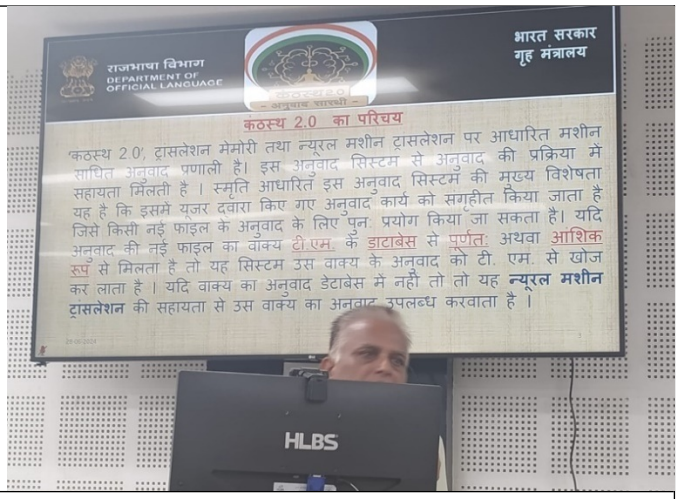

श्री जयशंकर प्रसाद तिवारी, डेमो देते हुए

कार्यशाला के दूसरे चरण में है प्रस्तुति के बाद श्री जयशंकर प्रसाद तिवारी ने राजभाषा समिति सदस्य श्रीमती अन्नपूर्णा की सहायता से कंठस्थ पोर्टल पर लाइव डेमोस्ट्रेशन भी दिया। जिसमे कंठस्थ पोर्टल पर पंजीकरण करना, नया प्रोजेक्ट बनाना, फाइल अपलोड करके त्वरित अनुवाद करना, शब्द संयोजन, वाक्यांश खोज,गुणवत्ता निर्धारक मानदंड। लोकल एवं टी एम बनाना, वर्कफलो संयोजन, अनुवाद के लिए टी.एम. से पूर्ण मिलान, अन ्य कंप्यूटरों के साथ प्रोजेक्ट/एक्सचेंज बनाने की सुविधा, फ़ोल्डर्स बनाने/अन्य कंप्यूटरों के साथ साझा करने की सुविधा, अन्य कम्प्यूटरों के साथ फाइलों का आदान-प्रदान करने की सुविधा, अनुवादित फाइल का विश्लेषण , द्विभाषिक फ़ाइल को डाउनलोड एव अपलोड करना, ऑटोमैटिक स्पीच रेकॉगनीशन इत्यादि के बारे में उदाहरण के साथ समझाया ।

कार्यशाला का अंत हिन्दी अधिकारी श्रीमती आरती माथुर के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, उन्होंने श्री जयशंकर प्रसाद तिवारी को एक बहुत ही रोचक व्याख्यान देने के लिए धन्यवाद दिया। समिति के अध्यक्ष एवं राज्य सूचना अधिकारी श्री अजय जोशी ने श्री जयशंकर प्रसाद तिवारी को एक तुलसी के पौधे के गमले के साथ सम्मानित किया।

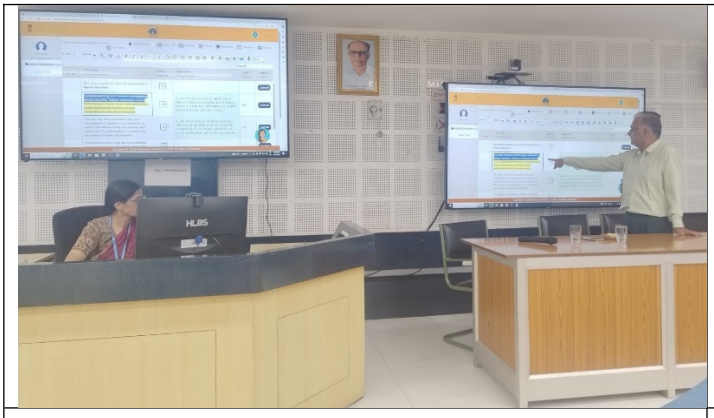

कंठस्थ टूल का लाइव डेमन्स्ट्रैशन

राज्य सूचना अधिकारी श्री अजय जोशी द्वारा श्री जयशंकर प्रसाद तिवारी का सम्मान